Regarding construction of roads under MNREGS

सुश्री प्रणिती सुशीलकुमार शिंदे **(**शोलापुर**) :** मैडम, महाराष्ट्र गवर्नमेंट ने 13 दिसंबर को एक जीआर निकाला है, जहां पर उन्होंने कहा कि जितने भी रास्तों के सार्वजनिक काम हैं, चाहे वे ड्रेनेज के हों या नालों के हों, वे तुरंत स्थगित होने चाहिए, रद्द होने चाहिए, रुकने चाहिए, क्योंकि पहले के बहुत पेंडिंग काम हैं । इसकी वजह से गांवों के जो रास्ते हैं, यह पूरे महाराष्ट्र का इश्यु है और सारे एमपीज़ मुझसे सहमत होंगे । ? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** माननीय सदस्या, आपका विषय क्या है?

सुश्री प्रणिती सुशीलकुमार शिंदे **:** मैडम, सार्वजनिक कामों का जो जीआर है ? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** आपने जो विषय दिया है, वह मनरेगा से संबंधित है ।

सुश्री प्रणिती सुशीलकुमार शिंदे **:** मैडम, मनरेगा का ही विषय है । मनरेगा के जो सार्वजनिक काम हैं, वे महाराष्ट्र शासन की तरफ से रुकवाये गए हैं । रास्तों के जितने भी सार्वजनिक काम हैं, वे बंद किए गए हैं, जिसकी वजह से दिसंबर से महाराष्ट्र में रास्ते का एक भी काम नहीं हुआ है । खेत को खेत से जुड़ने वाले जो रास्ते हैं, गांव को गांव से जुड़ने वाले जो रास्ते हैं, रिवर के ऊपर के जो रास्ते हैं, नाले के ऊपर के जो रास्ते हैं, सब महाराष्ट्र में 13 दिसंबर से बंद हैं । क्योंकि गवर्नमेंट ने यह जीआर निकाला है । महाराष्ट्र गवर्नमेंट में 100 दिन के जो मनरेगा के काम हैं, केन्द्र शासन से उसकी जो पेमेंट है, वह भी दो महीनों से बंद है । केन्द्र शासन का 100 दिन की पेमेंट बंद है । 100 के ऊपर जब 15 दिन लगते हैं, 20 दिन लगते हैं, तो उसका भी जो स्टेट गवर्नमेंट की पेमेंट है, वह पिछले दो-तीन महीनों से नहीं आयी है । मेरे मन में यह सवाल आता है कि क्या यह पैसे किसी और योजना के लिए कहीं और डाइवर्ट किए गए हैं, क्योंकि इलैक्शन जीतना चाहते थे । यह सवाल है, क्योंकि अगर गांव में रास्ते का काम नहीं हो रहा है और उसके लिए जीआर आया है कि सारे काम बंद होने चाहिए तो यह चिंताजनक चीज है । मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहती हूं कि यह जो जीआर है, उसके ऊपर आप तुरंत स्टे लगायें, ताकि महाराष्ट्र में जितने भी पाणंद रास्ते हैं, जिसको हम पाणंद रास्ते कहते हैं, सार्वजनिक काम हैं, वे शुरू हों । उस जीआर को तुरंत स्थगित करना चाहिए । मैं आपके द्वारा ऐसा निवेदन करती हूं ।

धन्यवाद ।